लंबी जीवन रेखा

यह रेखा दर्शाती है कि आपके पास एक दीर्घ और स्वस्थ्य जीवन है। यदि आप अपनी ऊर्जा और बुद्धि का उचित तरीके से प्रयोग करते है तो आप अपने लक्ष्य को पा सकते है। परन्तु एक खुशहाल और लंबे जीवन के लिए आपको सदा ही अच्छा आहार एवं व्यायाम करना चाहिए। अत: एक लंबी और सही रेखा सुखी एवं स्वस्थ्य जीवन को दर्शाती है।

जीवन रेखा के अन्दर रेखा

यह रेखा गुप्त प्यार का संकेत देती है। यह रेखा यह भी दर्शाती है कि आपमें अवैध संबधों की प्रवणता हैं और आप गुप्त मिलन की उत्तेजना के लिए उत्सुक रहते है। आपके सोचने की शक्ति पर विपरीत लिंग का आकर्षण हावी रहता है। यह आकर्षण इतना हावी रहता है कि बाद में आप अपने आप को अपराधी मानते है। यह रेखा आपको धन, स्वास्थ्य और प्रसिद्धी और शक्ति प्रदान करती है।

आर पार की रेखाओं की पंक्ति पर खत्म होती जीवन रेखा

यह रेखा दर्शाती है कि आप सहमति वाले, अच्छे प्रकृति के हँसमुख व्यक्ति है। अपनी उदारता के कारण आपने अनेक संकटग्रस्त लोगो की मदद की है। आप सदा दूसरों की इच्छाओं की पूर्ति करते है। यहाँ तक की आत्म बलिदान से भी नही घबराते। आपकी बहुत सी दक्षताऐं एवं प्रवृत्तियां सुस्त पड़ी है क्योंकि आपमें उनको विकसित करने का साहस नहीं है।

जीवन रेखा से शाखा के रूप में निकली, नीचे जाती रेखा पर वर्ग

यह रेखा दर्शाती है कि आप यात्रा के दौरान होने वाली ऊब से भागते है। वर्ग सुरक्षा का चिन्ह है तथा यह आपको घर से दूर जाने का साहस प्रदान करता है। साथ ही आपके मन में यह बात रहती है कि आप सही सलामत आप अपने घर पहुँच जायेंगे। आप हमेशा हर जगह उतना ही तनावरहित रहते हैं जितना कि घर में।

सूर्य पर्वत से नीचे झुकाव वाली मस्तिष्क रेखा

यह रेखा दर्शाती है कि ऐसे व्यक्ति का मानसिक संसार सूर्य से प्रभावित रहता है तथा वह व्यक्ति विचारों की अभिव्यक्ति से नहीं घबराता है। अगर आप अनुशासन या आत्मनियन्त्रण के साथ काम करते है तो विवाद की संभावना कम रहती है। ऐसे व्यक्ति बिना सोचे समझे कुछ भी बोल देते हैं। आपको गोपनीयता से काम लेना चाहिए। आपको पता होना चाहिए कि आपको क्या चाहिए।

अंगूठे के प्रथम पोर पर नाखून के पास एक सितारा

यह चिन्ह आपके नित्य कार्य करने के स्वभाव को दर्शाता है।

मध्य उंगली के द्वितीय पोर पर क्रास करती हुई रेखा

यह रेखा दर्शाती है कि आपमें हठ और अज्ञानता है।

मुद्रिका उंगली के प्रथम पोर पर एक क्रास

यह चिन्ह दर्शाता है कि आप वास्तव में कला क्षेत्र से जुड़े हुए है। इसमें अलौकिक शुद्धता है। कला के प्रति अधिक झुकाव होने के कारण आपमें पागलपन है।

हृदय रेखा मस्तिष्क रेखा की ओर तिरछी झुकती

यह रेखा दर्शाती है कि आपकी हृदय की भावनाओं पर आपकी मानसिक शक्तियों का शासन रहता है। जब आपको प्रेम संबंधों को बढ़ाने तथा अपूर्ण व्यापारिक कार्य करने में किसी एक का चुनाव करना होता है। तो आप व्यापारिक कार्य को प्रमुखता देते है। यह हृदय तथा मस्तिष्क के बीच टकराव चलता रहेगा जब तक की आप यह नही सीख जाते कि स्वयं आनन्द कैसे उठाया जाये।

बृहस्पति पर्वत पर अंग्रेजी वर्ण 'एन' की आकृति

यह चिन्ह दर्शाता है कि आपको शुरू होने के लिए अतिरिक्त धक्के की जरूरत है। वैसे तो आप लंबे समय तक भाग्य के भरोसे रहे है। पर यदि अब आप ज्यादा लाभ के लिए काम करना चाहते है तो अपने किसी नजदीकी व्यक्ति के भरोसे, सहायता या प्रोत्साहन के आसरे नही रहना चाहिए।

सूर्य पर्वत पर त्रिशूल का चिन्ह

यह चिन्ह दर्शाता है कि यह आपके लिए नये कार्य करने में आपको नया उत्साह प्रदान कर सकता है। आप बिना कठिन परिश्रम किये ही आप धन कमायेंगे।

संकरा चतुर्भुज, मस्तिष्क रेखा पर उगता हुआ हृदय रेखा के बाद

यह चिन्ह दर्शाता है कि आप बहुत संकीर्ण सोच वाले दिमाग के व्यक्ति है। यह सोच आपकी तर्क शक्ति को रोकती है तथा उसे छुपाती है।

लक्ष्मी कृपा प्राप्ती

1)) यदि आपके हाथ में शनि स्थिति खराब हो और शनि गृह पर कट फट हो तथा भाग्य रेखा मोटी हो तो यह आपकी आर्थिक स्थिति खराब होने की ओर इशारा करती है।

उपाय: शनि ग्रह की विधि अनुसार पूजन करें। शास्त्रों के अनुसार घर में शुद्व पारे का शिव लिंग स्थापित करें और रोज़ दिया जलाकर उसकी पूजा करें।

2)) हाथ सख्त हो और हाथ की रेखाएं कम हों तो जीवन में धन की कमी रहती है।
3)) अगर हाथ की अंगुलीयाँ और अंगूठा आगे की ओर झुके हो तो आप कर्ज़ा लेंगे और उसे चुका नहीं पाएँगे।

उपाय: श्री यंत्र की स्थापना करें और पारे के शिवलिंग का विधिवत् पूजन करें और पारे की माला धारण करें।

4)) भाग्य रेखा का मस्तिष्क रेखा पर रूक जाना, शनि व बुद्ध ग्रह का दबा होना या फिर मंगल ग्रह पर राहु रेखाओं का अधिक संख्या में होना। यह योग दर्शाते हैं कि आपका कमाया हुआ धन आपके पास नहीं टिकेगा। ये धन बिमारी में या तो नुक्सान में या फिर किसी को देने में निकल जाएगा जिस कारण आपकी आर्थिक स्थिति खराब रहेगी।

उपाय: धरापृष्ठीय संपूर्ण श्री यंत्र स्थापित करें और इसका रोज़ पूजन करें। 108 से अधिक दानों वाली, 'प्योर पारे' की माला सोमवार के दिन विधिवत् धारण करें।

5)) जीवन रेखा सीधी हो, शुक्र ग्रह उठा हो या फिर उस पर तिल हो। हृदय रेखा जंजीर जैसी हो व मस्तिष्क रेखा पर द्वीप हो। शनि ग्रह व सूर्य रेखा दबे हों तो यह दर्शाता है कि आपकी आर्थिक स्थिति मध्यम रहेगी। आप लापरवाही के कारण अपने धन का नाश करेंगे।

उपाय: 1)) राहु और शनि का पूजन करने से लाभ प्राप्त होगा।
2)) संपूर्ण बाधा मुक्ति यंत्र की स्थापना करने से ऊपर दिए गए दोषों के बुरे प्रभाव से छुटकारा मिलेगा। पारे के शिवलिंग का पूजन करें और पारे की माला को विधिवत् धारण करें।

6)) हाथ में भाग्य रेखा की संख्या एक से अधिक हो और हाथ नरम हो। शनि ग्रह दबा हुआ हो और शुक्र ग्रह अत्याधिक उठा हो। इस योग के होने से दूसरों को लगेगा कि आपके पास बहुत पैसा है लेकिन वास्तव में आप कर्ज़ों में डूबे होंगे।

उपाय : 1)) इस दोष को दूर करने के लिए संपूर्ण बाधा मुक्ति यंत्र की स्थापना करें और लक्ष्मी मंत्र का जाप करें।
2)) आपने घर और ऑफिस में पारे के शिवलिंग स्थापना करें और पूजन करें और पारे की माला को विधिवत् धारण करें। इन वस्तुओं को गलत स्थानों पर स्थापित न करें अन्यथा पूर्ण लाभ नहीं मिलेगा।

7)) यदि हाथ सख्त है और गुरू ग्रह, शनि ग्रह व बुद्व ग्रह हाथ में दबे हैं और भाग्य रेखा का अंत मस्तिष्क या हृदय रेखा पर हो तो आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं होगी।

उपाय: बिच्छु बूटी व पारे की माला धारण करें। रोज़ शिवलिंग पर शिव स्तोत्र की पूजा करें और शाकाहारी भोजन खाएँ।

गज लक्ष्मी योग

परिभाषा – दोनो हाथों में भाग्य रेखा कलाई से शुरु होकर शनि पर्वत तक जाती है तथा सूर्य का पर्वत पूर्ण रूप से विकसित होता है और सूर्य रेखा पतली, लंबी और लाल होती है। मस्तिष्क रेखा, स्वास्थ्य रेखा और भाग्य रेखा स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही हों तो गज लक्ष्मी योग बनता है।

परिणाम – आप नर्म दिल, बुद्धिमान और ईमानदार हैं। गज लक्ष्मी योग के हाथ में होने से साधारण परिवार में जन्म होने के बाद भी आपको समाज में सम्मान मिलेगा। आप अपने कार्यों द्वारा पहचाने जाएंगे। आपके पास सारे सुख साधन होंगे। आप जीवन में किसी भी चीज़ की कमी अनुभव नहीं करेंगे। आपको व्यापार द्वारा या विदेश में काम करने से सफलता प्राप्त होगी। आप एक सफल और प्रसिद्ध व्यक्ति होंगे।

नोट – इस योग का लाभ प्राप्त करने के लिए इस योग का दोनो हाथों में होना जरूरी है अन्यथा इस योग का पूर्ण परिणाम नहीं प्राप्त होगा। यदि यह योग एक हाथ में होगा तो आधा ही परिणाम मिलेगा।

Palm Reading Processed By :-

COMPUTER MASTERS

A-34, Masjid Lane, Bhogal, New Delhi-110014

Mob: 07503309065. info@r3astroremedies.com